

THINK IAS

JOIN SAMYAK

*Samyak*

An Institute For Civil Services

DAILY

CURRENT नामा

05 अक्टूबर 2024

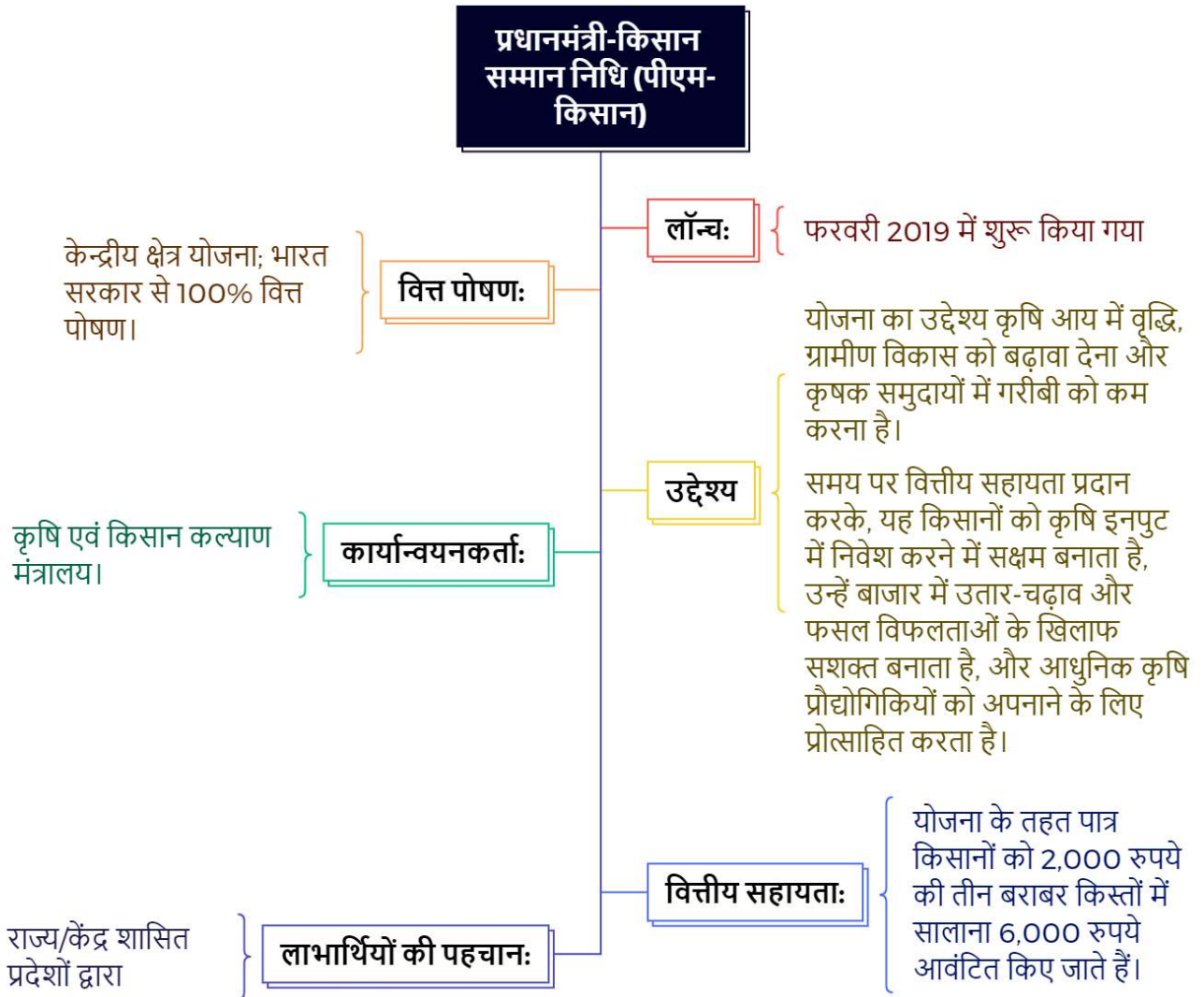
📞 9875170111

📍 SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

## समाज

### 1. प्रधानमंत्री मोदी किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी करेंगे - द हिंदू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 अक्टूबर, 2024 को महाराष्ट्र के वाशिम में प्रधानमंत्री-किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 18वीं किस्त जारी करने वाले हैं। इस पहल से देश भर के 9.4 करोड़ से ज्यादा किसानों को फायदा होगा। इसके तहत, हर किसान को 2,000 रुपये दिए जाएंगे, और केंद्र सरकार की ओर से इस पर कुल 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जाएंगे।



## राज्यवस्था

### 2. सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों को खनिज अधिकारों पर कर लगाने की अनुमति देने वाले फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका खारिज की - इंडियन एक्सप्रेस; द हिंदू

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 25 जुलाई के अपने फैसले को चुनौती देने वाली समीक्षा याचिकाओं को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य विधानसभाओं को खनिज युक्त भूमि और खदानों पर कर लगाने के अधिकार को बरकरार रखा गया था। इस फैसले ने शासन के संघीय सिद्धांतों को मजबूत किया।

### मामले की पृष्ठभूमि

- 25 जुलाई के अपने फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि राज्यों के पास खनिज अधिकारों पर कर लगाने का विधायी अधिकार है और खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी कर नहीं है।
- इस फैसले ने राज्यों को खनिज निष्कर्षण पर रॉयल्टी वसूलना जारी रखने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान किया, जो कई राज्य सरकारों के लिए राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है।

### फैसले के मुख्य बिंदु

#### बहुमत की राय:

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ के बहुमत ने जुलाई के फैसले में कोई स्पष्ट त्रुटि नहीं पाई और खनिज संसाधनों पर कर लगाने के राज्यों के अधिकार को बरकरार रखा।

#### राजकोषीय संघवाद के सिद्धांतों के अनुरूप:

न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि राज्यों की कर लगाने की शक्तियों को सीमित करने से उनकी राजस्व जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

#### खनन कानून पर प्रभाव:

फैसले ने स्पष्ट किया कि खनन पट्टाधारकों द्वारा राज्यों को दी जाने वाली रॉयल्टी कर नहीं बनती है और खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 राज्य विधानसभाओं को खनन भूमि के संबंध में कर कानून बनाने से नहीं रोकता है।

#### आर्थिक संदर्भ:

इस निर्णय में छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा जैसे खनिज समृद्ध राज्यों द्वारा सामना की जाने वाली आर्थिक असमानताओं पर प्रकाश डाला गया, जिनकी प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है।

#### विधायी प्रभाव पर स्पष्टीकरण:

खंडपीठ ने फैसला सुनाया कि खनन करों से संबंधित मौजूदा राज्य कानूनों को अमान्य करने से बचने के लिए 25 जुलाई के फैसले को केवल भावी रूप से लागू नहीं किया जाना चाहिए।

### निहितार्थ

- यह निर्णय खनिज संसाधनों पर राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता को बरकरार रखता है, जिससे एक स्थिर राजस्व प्रवाह सुनिश्चित होता है।
- हालाँकि, यह निर्णय खनन उद्योग को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि राज्य खनिज संसाधनों से राजस्व को अनुकूलित करने के लिए अपनी कर नीतियों को समायोजित कर सकते हैं।
- समीक्षाओं को खारिज करने के साथ ही व्यापक आर्थिक प्रभाव के बारे में केंद्र की चिंताएँ अनसुलझी रह गई हैं।

## वैश्विक मामले

### 3. विदेश मंत्री एस. जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के लिए पाकिस्तान का दौरा करेंगे - द हिंदू; इंडियन एक्सप्रेस

#### शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)

- **उत्पत्ति:** एससीओ की जड़ें 1996 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान के साथ स्थापित "शंघाई फाइव" से जुड़ी हैं।
- **ऐतिहासिक महत्व:** 1991 में यूएसएसआर के विघटन ने चरमपंथी धार्मिक समूहों और जातीय तनावों के बारे में चिंताएँ पैदा कीं, जिससे एक सुरक्षा ढांचे की आवश्यकता पैदा हुई।
- **स्थापना:** एससीओ की औपचारिक स्थापना 15 जून, 2001 को शंघाई में हुई थी, जिसमें उज्बेकिस्तान को इसका छठा सदस्य बनाया गया था।
- **सदस्य:** नौ सदस्य: भारत (2017), ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान।
- **पर्यवेक्षक का दर्जा:** अफ़गानिस्तान और मंगोलिया
- **महत्व**
  - यह सदस्य देशों को आतंकवाद-रोधी और क्षेत्रीय स्थिरता पर सहयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
  - रूस और चीन ने ब्रिक्स जैसे अन्य गठबंधनों के साथ-साथ एससीओ को पश्चिमी नेतृत्व वाली वैश्विक शासन संरचनाओं के प्रति संतुलन के रूप में स्थापित किया है।



## 4. रूस ने तालिबान को आतंकी सूची से बाहर निकालने का लिया फैसला: TASS रिपोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में, रूस के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने के लिए उच्चतम स्तर पर निर्णय लिया गया है। इस महत्वपूर्ण कदम से अफ़गानिस्तान के साथ रूस के संबंधों को नया आकार मिलने की उम्मीद है, जो रूस के कूटनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत देता है।

### निर्णय के बारे में

- **ऐतिहासिक संदर्भ:** रूस ने 2003 में तालिबान को आतंकवादी संगठन घोषित किया था।
- **अमेरिका की वापसी:** तालिबान ने अगस्त 2021 में अफ़गानिस्तान पर फिर से कब्ज़ा कर लिया, जब देश में दो दशकों से तैनात अमेरिकी नेतृत्व वाली सेना वापस चली गई। तब से, रूस ने धीरे-धीरे तालिबान के साथ संबंध बनाए हैं।
- **वर्तमान परिदृश्य:** चीन और यूएई जैसे देशों के अलावा किसी भी देश ने औपचारिक रूप से तालिबान को अफ़गानिस्तान की वैध सरकार के रूप में मान्यता नहीं दी है।
- **निर्णय के पीछे कारण:** रूस ने नशीली दवाओं के उत्पादन पर अंकुश लगाने और इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह से निपटने के लिए तालिबान के प्रयासों को स्वीकार किया, जिसे रूस एक बड़ा खतरा मानता है।

2020 में, अमेरिका और तालिबान ने एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने अफ़गानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के लिए मंच तैयार किया। वापसी की समयसीमा की घोषणा के बाद, तालिबान ने फिर से तेजी पकड़ ली।

अफ़गानिस्तान पर अमेरिकी आक्रमण 11 सितंबर, 2001 के आतंकवादी हमलों के जवाब में शुरू हुआ, जो अल-कायदा द्वारा आयोजित किया गया था। इसे अफ़गानिस्तान में तालिबान शासन द्वारा आश्रय दिया गया था।

सत्ता में वापसी (2021):

अमेरिकी आक्रमण और विद्रोह (2001-2021):

तालिबान के बारे में

गठन:

तालिबान का गठन 1994 में इस्लामी विद्वानों और पूर्व मुजाहिदीन लड़ाकों के एक समूह द्वारा किया गया था, जो मुख्य रूप से पश्तून जातीय समूह से थे।

विचारधारा:

तालिबान की मूल विचारधारा शरिया कानून की व्याख्या पर आधारित है, जिसे वे पूरे अफ़गानिस्तान में लागू करना चाहते हैं। वे धार्मिक कानून द्वारा शासित एक धर्मतंत्रीय राज्य की स्थापना करना चाहते हैं, जिसमें सख्त सामाजिक संहिताएँ और प्रतिबंध हों, खासकर महिलाओं के अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक व्यवहार पर।

तालिबान का उदय (1996-2001)

तालिबान शासन:

1996 तक, तालिबान ने काबुल पर कब्ज़ा कर लिया था, और अफ़गानिस्तान के इस्लामी अमीरात की स्थापना की।

वैश्विक संबंध:

तालिबान ने अल-कायदा के ओसामा बिन लादेन को शरण दी, जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका पर 9/11 के आतंकवादी हमलों की साजिश रची थी। यह संबंध 2001 में अफ़गानिस्तान पर अमेरिका के आक्रमण के लिए उद्भेदक बन गया, जिसने तालिबान सरकार को गिरा दिया।

## अर्थव्यवस्था

### 5. भारत, अमेरिका ने महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं के विस्तार पर एक समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए - द हिंदू

4 अक्टूबर, 2024 को वाशिंगटन डी.सी. में आयोजित छठे वाणिज्यिक संवाद के दौरान, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं के विस्तार और उसमें विविधता लाने के उद्देश्य से एक समझौता जापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

#### समझौता जापन की मुख्य विशेषताएं

- **उद्देश्य:** इस समझौता जापन का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों की खोज, निष्कर्षण, प्रसंस्करण, शोधन, पुनर्चक्रण और पुनर्प्राप्ति में दोनों देशों की पूरक शक्तियों का लाभ उठाना है।
- **केन्द्रबिन्दु:** इन क्षेत्रों में वाणिज्यिक विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए उपकरणों, सेवाओं, नीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करना।
- **प्राथमिकता वाले क्षेत्र:** अर्धचालक, रसायन और महत्वपूर्ण खनिजों, विशेषकर बैटरी प्रौद्योगिकियों और स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों में सहयोग।
- **सेमीकंडक्टर पर प्रगति:** वार्ता में दोनों देशों के उद्योग संघों द्वारा पूर्व में किए गए समझौतों और आकलनों के आधार पर लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए चल रहे प्रयासों की समीक्षा की गई।

#### चीन के प्रतिबंधात्मक उपाय

- चीन ने सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए आवश्यक गैलियम और जर्मेनियम के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए हैं।
- ये प्रतिबंध एक व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं, जिसमें दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों और महत्वपूर्ण सामग्री निष्कर्षण से संबंधित प्रौद्योगिकी के निर्यात पर प्रतिबंध शामिल है।

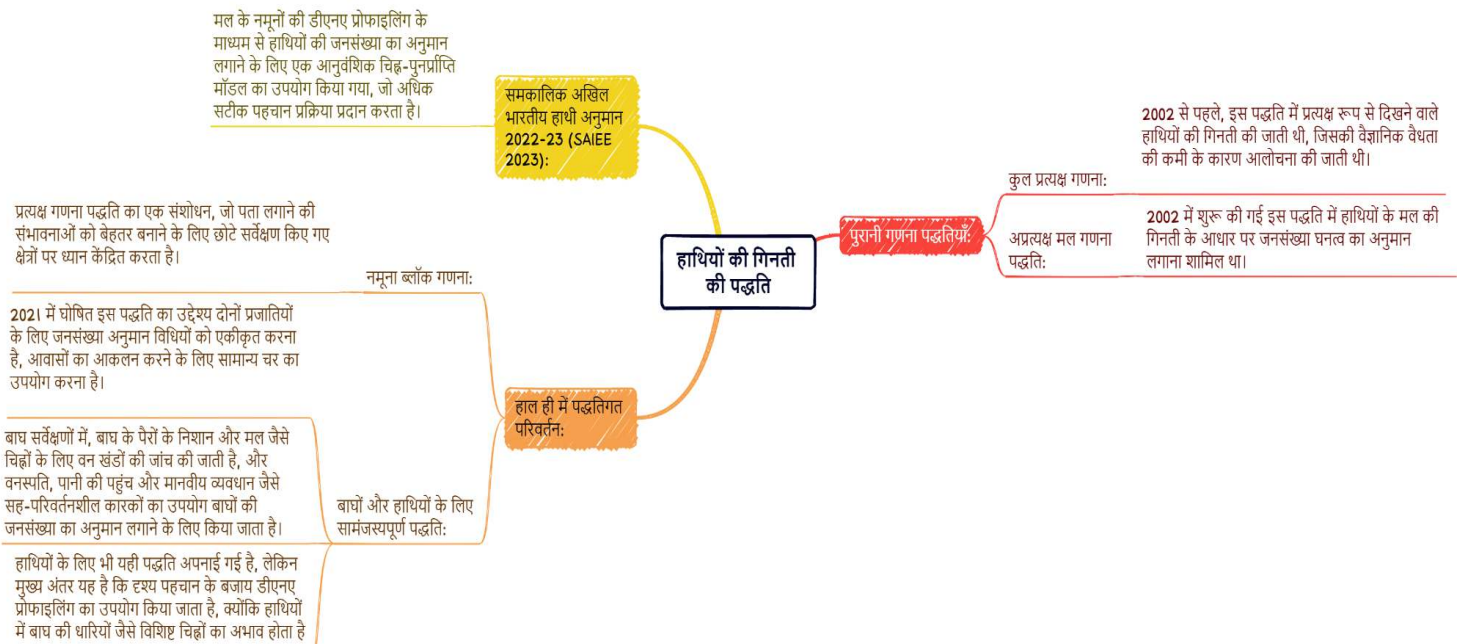
#### महत्वपूर्ण खनिज

- **विवरण:** महत्वपूर्ण खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा क्षेत्र, मोटर वाहन और एयरोस्पेस सहित विभिन्न उद्योगों के अभिन्न अंग हैं।
- **उपयोग:** इनका उपयोग बैटरी, अर्धचालक, उत्प्रेरक और कई अन्य अनुप्रयोगों के निर्माण में किया जाता है।
- **महत्वपूर्ण खनिजों के उदाहरण:** दुर्लभ मृदा तत्व, लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, तांबा, निकल, टिन आदि।

## पर्यावरण

### 6. हाथियों की गिनती कैसे की जाती है - इंडियन एक्सप्रेस

हाल की रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारत में हाथियों की जनसंख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिसका कारण विभिन्न विकास परियोजनाएं और अपर्याप्त जनगणना पद्धतियां हैं। इसने सटीक जनसंख्या अनुमान और प्रभावी संरक्षण रणनीतियों को सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान गणना विधियों के पुनर्मूल्यांकन की मांग को बढ़ावा दिया है।



### हाथियों की जनसंख्या में गिरावट

- **प्रभावित होने वाले प्रमुख राज्य: दक्षिणी पश्चिम बंगाल:** 84% जनसंख्या में गिरावट; झारखंड: 64% गिरावट; ओडिशा: 54% गिरावट; केरल: 51% गिरावट
- **कारण:** रिपोर्ट में इस गिरावट का एक बड़ा हिस्सा अनियमित खनन और हाथियों के आवासों से होकर गुजरने वाले राजमार्गों और रेलवे जैसे टैक्सिक बुनियादी ढांचे के निमण जैसी विकास परियोजनाओं को बताया गया है।

## विज्ञान और प्रौद्योगिकी

### 7. वैज्ञानिकों ने एक मक्खी के मस्तिष्क का नक्शा बनाया : यह क्यों महत्वपूर्ण है? - इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में, अमेरिकी वैज्ञानिकों ने सफलतापूर्वक एक मक्खी (फ्रूट फ्लाई) के पूरे मस्तिष्क का महीन नक्शा तैयार किया है, जो एक प्रमुख वैज्ञानिक उपलब्धि है। ऐसा इसीलिए है क्योंकि शोधकर्ताओं ने पहली बार किसी वयस्क जानवर के मस्तिष्क का इतना विस्तृत नक्शा तैयार किया है। यह अनुसंधान मस्तिष्क के कार्य करने के तरीके को समझने में महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो अन्य प्राणियों के मस्तिष्क के अध्ययन में सहायक हो सकता है। साथ ही यह पार्किंसंस रोग और अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के उपचार में सहायता करने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।



#### मक्खी के मस्तिष्क के नक्शे के बारे में

- **प्रारम्भ:** मस्तिष्क मानचित्रण परियोजना 2013 में प्रारम्भ की गई।
- **तंत्र:**
  - इसमें मक्खी के मस्तिष्क को एक रासायनिक घोल में डुबाकर उसे कठोर करके ठोस बना दिया गया।
  - इसके बाद वैज्ञानिकों ने मक्खी के मस्तिष्क के करीब 7000 महीन स्लाइस बनाए और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप का उपयोग कर प्रत्येक स्लाइस की तस्वीरें लीं।
  - संपूर्ण मस्तिष्क की उच्च-रिजोल्यूशन छवि तैयार करने के लिए 7,050 से अधिक स्लाइस और 21 मिलियन तस्वीरें ली गईं।

#### अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष

- **न्यूरॉन्स का विवरण:** इस शोध में 1,39,255 न्यूरॉन्स और 5 करोड़ से अधिक संपर्कों का विवरण दिया गया है।
- **कोशिका वर्गीकरण:** 8,453 विभिन्न प्रकार की मस्तिष्क कोशिकाओं को वर्गीकृत किया गया, जिससे किसी भी मस्तिष्क के कोशिका प्रकारों की अब तक की सबसे बड़ी सूची तैयार हुई।
- **कार्यात्मक अंतर्दृष्टि:** शोध से पता चला कि मक्खियां अपनी आंखों के माध्यम से गति और रंग को कैसे संसाधित करती हैं, और वैज्ञानिकों ने "हब न्यूरॉन्स" के एक समूह की खोज की है जो तेजी से सूचना प्रवाह को सुविधाजनक बना सकते हैं।

#### तंत्रिका विज्ञान के लिए महत्व

- **सार्वभौमिक मस्तिष्क तर्क मिलेगा:** जबकि मानव मस्तिष्क मक्खी के मस्तिष्क से कहीं अधिक जटिल है, न्यूरॉन्स या "स्रोत कोड" के बीच मौलिक संचार सभी प्रजातियों में समान है।
- **तंत्रिका विज्ञान मॉडल में मददगार:** मक्खियाँ लंबे समय से तंत्रिका विज्ञान में एक महत्वपूर्ण मॉडल जीव रही हैं, और उनके मस्तिष्क के कार्यों को समझने से मनुष्यों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी मिलती है।
- **मानव मस्तिष्क का नक्शा बन सकेगा:** इस शोध से यह उम्मीद जगी है कि एक दिन वैज्ञानिक मानव मस्तिष्क का नक्शा बनाने में भी सक्षम होंगे, जो तंत्रिका संबंधी कार्यों और विकारों को बेहतर ढंग से समझने के लिए आवश्यक है।



## 8. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आपातकालीन उपयोग के लिए पहले एमपॉक्स डायग्नोस्टिक टेस्ट को मंजूरी दी - द हिन्दू

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एलिनिटी m MPXV assay की आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दे दी है, जो विशेष रूप से अफ्रीका में बढ़ते मामलों के बीच एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) के लिए वैश्विक परीक्षण क्षमता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

### एलिनिटी m MPXV assay

- **About:** यह विश्व स्वास्थ्य संगठन की आपातकालीन उपयोग सूची (EUL) का दर्जा प्राप्त करने वाला पहला एमपॉक्स इन विट्रो डायग्नोस्टिक परीक्षण है।
- **विकसितकर्ता:** एबॉट मॉलिक्यूलर इंक.,
- **मुख्य विशेषताएं**
  - यह एक वास्तविक समय में पीसीआर परीक्षण है जिसे प्रशिक्षित नैदानिक प्रयोगशाला कर्मियों द्वारा उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है।
  - यह मानव त्वचा के घावों के स्वाब से मंकीपॉक्स वायरस डीएनए का पता लगाता है, जिससे संदिग्ध मामलों की कुशल पुष्टि होती है।



## कितना दर्दनाक होता है मंकीपॉक्स संक्रमण?

### शुरुआती लक्षण

बुखार, कंपकंपी, लिंफ नोड में सूजन, कमर में दर्द, शरीर में दर्द और थकान।



**गंभीर लक्षण** बुखार शुरू होने के 3 दिनों में दाने निकलने शुरू होते हैं, जो फफोले और घाव बन जाते हैं। इनकी शुरुआत चेहरे से होती है और फिर हथेलियों और तलवों में फैल जाते हैं।

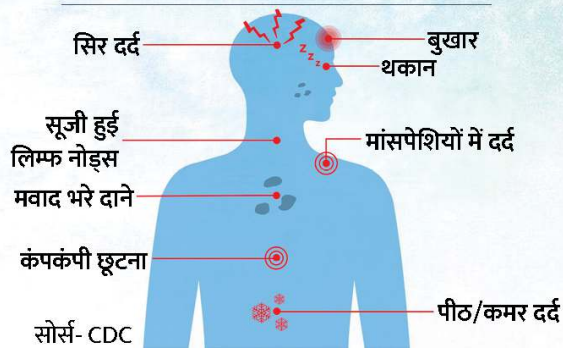
**मॉर्टैलिटी रेट** ये लक्षण आमतौर पर दो से चार हफ्ते रहते हैं। लक्षणों के गंभीर होने पर जान का भी खतरा होता है।

इसकी मॉर्टैलिटी रेट यानी मृत्यु दर स्ट्रेन के आधार पर 1% से 10% होती है।

एक संक्रमित व्यक्ति इस बीमारी को दाने पड़ने के एक दो दिन पहले से ही ट्रांसमिट करने लगता है और तब तक फैलाता है जब तक दानों की पपड़ी नहीं उधड़ जाती।



## मंकीपॉक्स के लक्षण 2-4 हफ्ते रहते हैं



## रक्षा क्षेत्र

### 9. रुस-यूक्रेन विवाद के कारण S-400 मिसाइलों की डिलीवरी में देरी हुई - इंडियन एक्सप्रेस

एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने घोषणा की कि भारत को 2025 तक S-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के शेष दो स्क्वाड्रन प्राप्त होंगे। रुस-यूक्रेन संघर्ष के कारण डिलीवरी में देरी हुई है। भारत को पहले ही S-400 मिसाइल प्रणाली के तीन स्क्वाड्रन प्राप्त हो चुके हैं।

S-400 को विभिन्न स्थानों पर तेज़ी से तैनात किया जा सकता है। इसमें एक रडार इकाई, कमांड पोस्ट, लॉन्चर और सहायक वाहन शामिल हैं।

मोबाइल प्लेटफॉर्म:

जटिल वातावरण में संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और 100 फीट से 40,000 फीट की ऊँचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है।

जटिल वातावरण में संचालित हो सकता है:

मिसाइलों की बहुमुखी रेंज से लैस, यह धीमी गति से चलने वाले (जैसे हेलीकॉप्टर, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और क्रूज मिसाइल) खतरों को एवं लड़ाकू जेट जैसे तेज़ गति से चलने वाले खतरों सहित विभिन्न लक्ष्यों को निशाना बना सकता है।

लक्ष्य:

विमान, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों और यूएवी सहित हवाई खतरों की एक विस्तृत श्रृंखला से निपटने में सक्षम

कई खतरों का निपटान:

S-400 प्रणाली के बारे में



उन्नत रडार:

अपने उन्नत रडार और ट्रैकिंग क्षमताओं के लिए प्रसिद्ध है जो एक साथ 300 लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है।

S-400 की रडार प्रणाली कई प्रकार की रडार से बनी है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

91N6E बिग बर्ड अधिग्रहण रडार: लंबी दूरी की ट्रैकिंग प्रदान करता है।

92N6E ग्रेव स्टोन इंगेजमेंट रडार: मिसाइलों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए उपयोग किया जाता है।

लंबी दूरी पर स्थित लक्ष्यों को निशाना बनाना

400 किलोमीटर तक की दूरी और 30 किलोमीटर तक की ऊँचाई पर स्थित लक्ष्यों को निशाना बना सकती है।

## अन्य खबरें

### 10. श्यामजी कृष्ण वर्मा - पीआईबी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी श्यामजी कृष्ण वर्मा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्यामजी कृष्ण वर्मा के बारे में

- **शैक्षिक पहलू:** प्रथम भारतीय एम.ए. तथा संस्कृत और अंग्रेजी के विद्वान।
- **बॉम्बे आर्य समाज से संबंध:** बॉम्बे आर्य समाज के प्रथम अध्यक्ष बने।
- **भारतीय क्रांतिकारियों के लिए समर्थन:** युवा भारतीय छात्रों को इंग्लैंड में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की, उनकी शिक्षा और राजनीतिक सक्रियता का समर्थन किया।
- **क्रांतिकारियों को प्रभावित किया:** वीर सावरकर, लाला हरदयाल और मदन लाल ढींगरा जैसे।
- **संबंधित संस्थाएँ:**
  - क्रांतिकारी गतिविधियों के केंद्र के रूप में 1905 में लंदन में इंडिया हाउस की स्थापना की।
  - भारत की स्वतंत्रता के लिए भारतीय होम रूल सोसाइटी की स्थापना की।
- **समाचार पत्र:** द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट नामक समाचार पत्र शुरू किया।

